X

हिंदी

उत्तर-सूचिका

HINDI WORKSHEET

11

तिरुवनंतपुरम शैक्षिक जिला

Thiruvananthapuram Educational District

अकाल और उसके बाद

कविता

नागार्जुन

पाठ भाग की सहायता से नीचे दिए गए पंक्तियों को क्रमबद्ध करके लिखें।

कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त
चमक उठीं घर भर की आँखें कई दिनों के बाद
कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त।
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद

कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उनके पास
दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास
कौए ने खुजलाईं पाँखें कई दिनों के बाद।

Thiruvananthapuram Educational District

कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास

कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उनके पास

कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त

कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त।

दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद

धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद

चमक उठीं घर भर की आँखें कई दिनों के बाद

कौए ने खुजलाईं पाँखें कई दिनों के बाद।

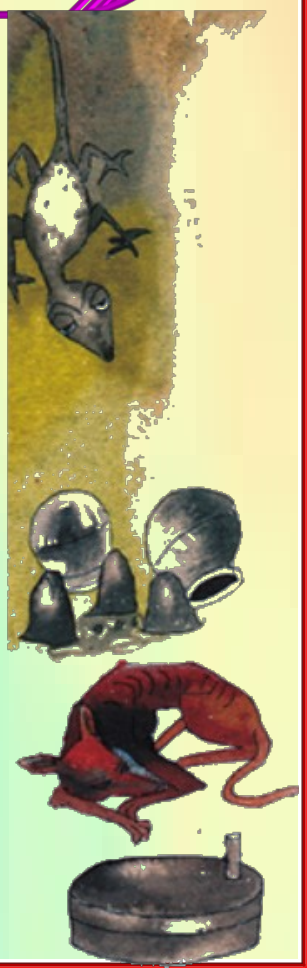

समानार्थी शब्द कविता से चुनकर लिखें।

कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास
कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उनके पास
कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त
कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त।

दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठीं घर भर की आँखें कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलाईं पाँखें कई दिनों के बाद।

नयन	आँख
भीतर	अंदर
पंख	पाँख
अनाज	दाना
काक	कौआ
दीवार	भीत
पराजय	शिकस्त
अवस्था	हालत
दुखी	उदास
इधर-उधर घूमना	गश्त

Thiruvananthapuram Educational District

III

कक्षा 10

नीचे दिए गए वाक्यों की सहायता से पद-सूर्य की पूर्ति करें I

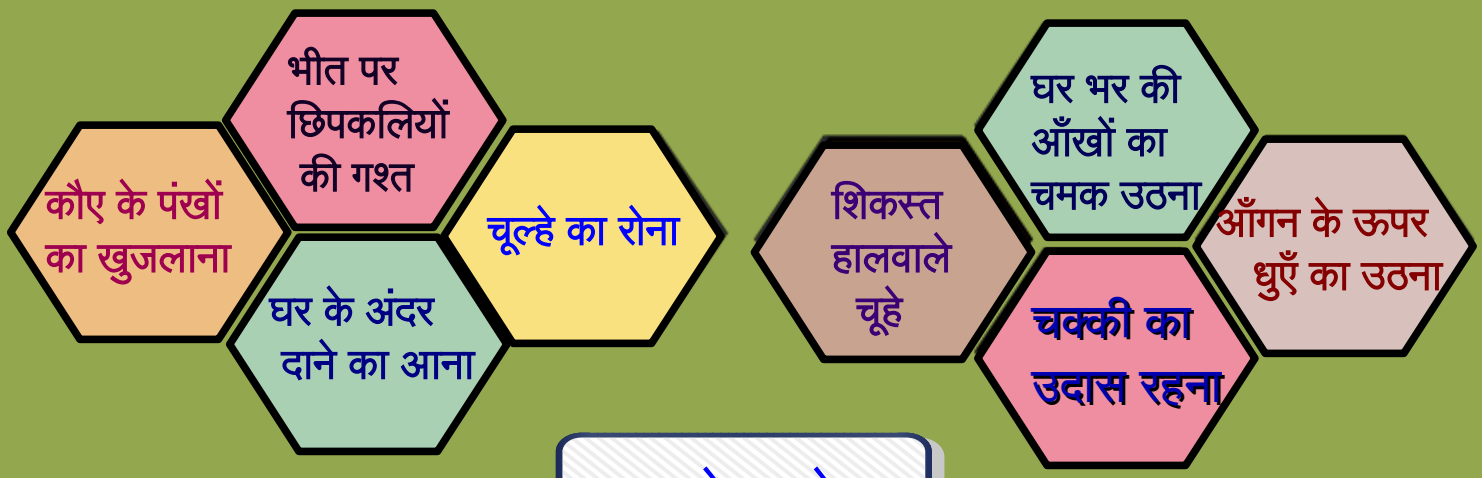

चूल्हे का रोना

चक्की का उदास रहना

अकाल

भीत पर छिपकलियों की गश्त

शिकस्त हालवाले चूहे

घर भर की आँखों का चमक उठना

आँगन के ऊपर धुएँ का उठना

अकाल के बाद

कौए के पंखों का खुजलाना

घर के अंदर दाने का आना

Thiruvananthapuram Educational District

ठाकुर का कुआँ

कहानी

प्रेमचंद

कक्षा 10

IV

बताएँ ये वाक्य किसने कहा ?

" अब तो मारे प्यास के रहा नहीं जाता। ला, थोड़ा पानी नाक बंद करके पी लूँ । "

" ठाकुर और साहू के दो कुएँ तो हैं। क्या एक लोटा पानी न भरने देंगे ? "

" पानी कहाँ से लाएगी ? "

"यह पानी कैसे पिओगे ? कुएँ से मैं दूसरा पानी लाए देती हूँ ।"

" हाथ–पाँव तुड़वा आएगी और कुछ न होगा। बैठ चुपके से। गरीबों का दर्द कौन समझता है !"

" गला सूखा जा रहा है और तू सड़ा पानी पिलाए देती है ! "

Thiruvananthapuram Educational District

" ठाकुर और साहू के दो कुएँ तो हैं। क्या एक लोटा पानी न भरने देंगे ? "

" हाथ–पाँव तुड़वा आएगी और कुछ न होगा। बैठ चुपके से। गरीबों का दर्द कौन समझता है !"

" पानी कहाँ से लाएगी ? "

" गला सूखा जा रहा है और तू सड़ा पानी पिलाए देती है ! "

"यह पानी कैसे पिओगे ? कुएँ से मैं दूसरा पानी लाए देती हूँ ।"

" अब तो मारे प्यास के रहा नहीं जाता। ला, थोड़ा पानी नाक बंद करके पी लूँ । "